ikB&7

तरह–तरह के भोजन

आज मकर संक्रांति है। इला, इरा और इशु सुबह जल्दी ही उठ गए थे। उनके माता–पिता ने मकर संक्रांति के दिन दही–चूड़ा, तिलकुट, तिलवा खाने की तैयारी की थी। इला और इरा की दोस्त सलमा और स्वीटी भी आए हुए थे। सब लोगों ने जम कर दही–चूड़ा और तिलकुट खाया। इरा बोली– ''सलमा, तुम्हें याद है ईद के दिन मैंने तुम्हारे यहाँ ढेर सारी सेवइयाँ खाई थी।'' इशु ने कहा– ''हमलोगों को स्वीटी ने भी क्रिसमस के दिन बहुत सारा केक खिलाया था।'' उनकी बातों को सुनकर पिताजी बोले– ''हाँ, हम सभी लोग सामान्य दिनों में एक ही जैसा खाना खाते हैं, जबकि पर्व–त्योहार या कुछ खास अवसर पर कुछ खास चीज खाना पसन्द करते हैं।''

1- D;k vki ykx crk ldrs gSa] fd l vo lj ij ge ykx D;k&D;k [kkrs gSa

ioZ R;kSgkj@fnu	fo'ks"k [kkuk
मकर संक्रांति	सत्तू
छठ	
होली	
ईद	
क्रिसमस	
दीपावली	
पूस	
आर्द्रा नक्षत्र	
शनिवार	

इला बोली– ''कुछ–कुछ जगहों के खाने का कुछ सामान बहुत प्रसिद्ध है। सिलाव का खाजा और बाढ़ की लाई को लोग बड़े मजे से खाते हैं।''

2- D;k vki crk ldr g fd fdl txg dh dku&dku lh [kku dh pht ifl) g\

LFkku	[kku okyh pht

बच्चे बात कर ही रहे थे कि माँ बोली– ''राज्य के भिन्न–भिन्न हिस्सों में रहने वाले लोग भिन्न–भिन्न तरह का खाना पसन्द करते हैं। भोजपुर की ओर जहाँ लिट्टी–चोखा का प्रचलन है, वहीं मिथिला में लोग दही–चूड़ा खाना पसन्द करते हैं।'' हमारे देश के दूसरे राज्य में लोग अलग तरह का खाना बनाते हैं। भारत के दक्षिण राज्य जैसे तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश तथा केरल में लोग इडली–डोसा खाते हैं, ''पिताजी ने कहा। माँ बोली– केरल में लोग भोजन बनाने में नारियल तेल का उपयोग करते हैं, क्योंकि वहाँ बहुत सारे नारियल के पेड़ हैं।

3- vki vkj vkid ifjokj d ykx Hkkstu e dku&dku lh pht [kkr g\

———————— ———————— ————————

———————— ———————— ————————

———————— ———————— ————————

———————— ———————— ————————

4- fiNys i"B ij vkius tks [kkus dh pht+s fy[kh gSa buesa dkSu&dkSu lh pht+s tUrqvksa ls feyrh gSa vkSj dkSu lh iM+&ikS/kksa ls

tho&tUrqvksa ls	iM+&ikS/kksa ls

5- vxj iM+&ikS/ks ;k tho&tUrq u gksa rks gekjk D;k gksxk

इला बोली– ''कितनी मजेदार है खाने–पीने की बातें। किसी पेड़ का हम फल खाते हैं तो किसी का फूल। किसी पौधे की जड़ तो किसी का तना। किसी–किसी पौधे की तो सिर्फ पत्तियाँ ही खाई जाती हैं। कुछ पौधें के तो कई हिस्से खाये जाते हैं।

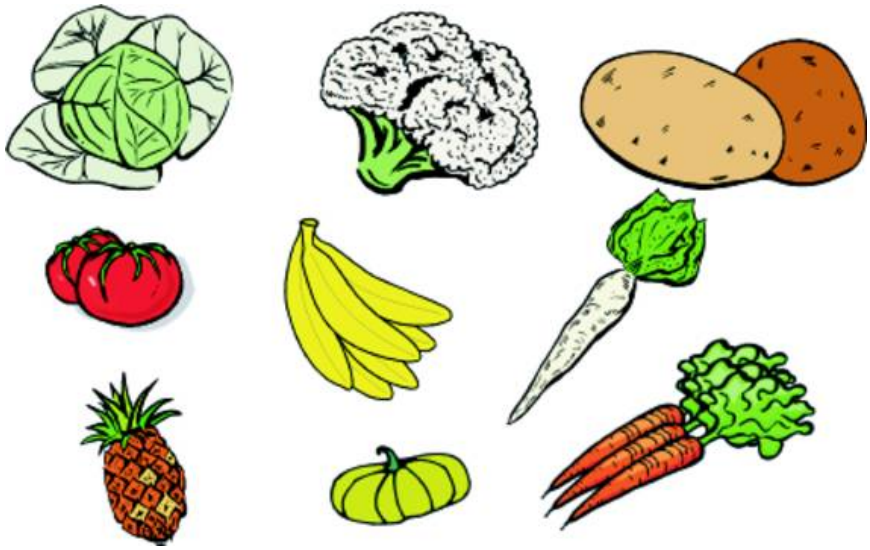

6- D;k u ge ,d lwph cuk, ftlls irk pys fd fdu&fdu ikS/kksa dk dkSu&lk Hkkx geyksx [kkrs gSa

[kkus okyh pht+	isM&ikS/kksa dk uke
फल	
फूल	
पत्तियाँ	
जड़	
तना	

सलमा बोली– ''हाँ, जीव–जन्तु भी तो हमें कई तरह का भोजन देते हैं। हम किसी का दूध पीते हैं तो किसी का माँस खाते हैं। किसी जीव का अंडा और माँस दोनों खाते हैं तो किसी जीव के माँस और दूध दोनों का खाने में उपयोग करते हैं।''

7- fdl thou&tUrq ds fdl pht+ dk [kkus esa mi;ksx djrs gSa] bldh Hkh lwph cukb,A

[kkus okyh pht+	thou&tUrqvksa ds uke
दूध	
अंडा	
माँस	

इशु के पिताजी ने कुछ अनाजों का नाम लिया, जिनका उपयोग हम मुख्य भोजन के रूप में करते हैं। ऐसे अनाज जिनका उपयोग खाने में हमारे द्वारा सबसे ज्यादा किया जाता है, उसके चारों ओर घेरा लगाइए ।

चावल	गेहूँ	ज्वार	बाजरा
मक्का	चना	जौ	रागी

''पिताजी एक ही अनाज से कई सारी खाने की चीजें बनती हैं'' –इला बोली। चावल से हम लोग खीर भी बनाते हैं, तो खिचड़ी भी।

8- uhps dqN vukt ksa d s uke fn, x, gSA fdl vukt ls D;k&D;k Hkkstu curk gS] uke fyf[k,&

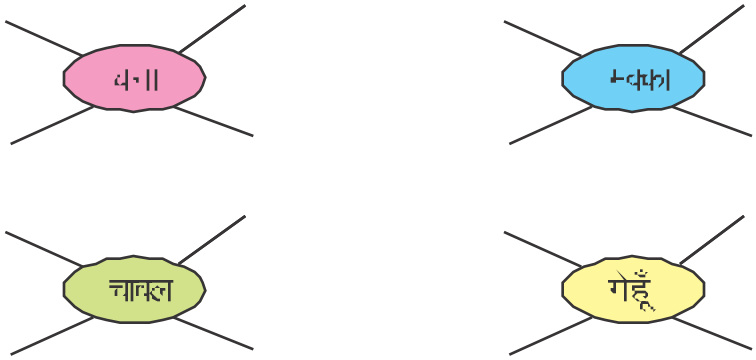

पिताजी ने एक कहानी सुनाई– भारत में एक समय शाहजहाँ का राज था। पारिवारिक झगड़े के कारण उसके पुत्र औरंगजेब ने उसे जेल में बन्द कर दिया तथा बोला कि तुम्हें सिर्फ एक ही अनाज या उससे बनी वस्तुएँ खाने को मिलेगी। राजा के सामने बड़ी उलझन खड़ी हो गई। एक तो बेटे ने राज–पाट छीन लिया, दूसरे खाने पर भी पाबन्दी लगा दी। उसने सोचना शुरू किया। सोचते–सोचते उसने एक अनाज का नाम लिया जिससे सब्जी, मिठाई, रोटी आदि कई चीजें बन सकती थीं। क्या आप लोग बता सकते हैं कि राजा ने किस अनाज का नाम लिया होगा ।

CCC